SHRI PRAFUL PATEL: Sir, I will attempt to answer only one out of these. I said three things. One, there is no formal application. But, I also said that we are also not insensitive; we read in the media, we also know that there is a possibility of such a situation. Therefore, the Government, in the best international practices को फौलो करके we will try to come out with the guideline. I said it. ...*(Interruptions)*... I never said that. ...*(Interruptions)*...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Sir, as the Minister has to protect the interests of the Indian Airlines. ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAFUL PATEL: Sir, Indian Airlines and Air India have never been denied any intrastructural support at any Indian airport so far, and the Government's intentions to support Indian Airlines and Air India remain.

MR. CHAIRMAN: Next Question. Shrimati Jaya Bachchan.

ए.टी.एम. द्वारा नकली करेंसी नोट मिलना

*322. **श्रीमती माया सिंह**:

श्रीमती जया बच्चन: †

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि अनेक बैंकों के ए.टी.एम. से नकली करेंसी नोट मिलने की घटनाओं को सरकार के ध्यान में लाया गया है;

(ख) यदि हां,तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) उन बैंकों का ब्यौरा क्या है जिनसे संबंधित घटनाओं को सरकार के ध्यान में लाया गया है; और

(घ) सरकार द्वारा दोषियों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई है?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पवन कुमार बंसल): (क) से (ग) वर्ष 2005-06 के दौरान,भारतीय रिजर्व बैंक को आईसीआईआई बैंक की करुनागापल्ली शाखा के ए.टी.एम. और एचडीएफसी बैंक, कोलकाता के ए.टी.एम. के माध्यम से निकली करेंसी नोट वितरित होने की शिकायतें मिली है।

(घ) भारतीय रिजर्व बैक ने अपने दिनांक 7 दिसम्बर,2005 के परिपत्र द्वारा बैंकों को जाली बैंक नोटों की गड़बडी पर नियंत्रण के लिए समुचित सुरक्षा उपाय करने हेतु निर्देश जारी किए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने उन बैंकों के चैयरमैन/सीईओ के सामने भी यह मामला उठाया है जिनके ए.टी.एम. के माध्यम से जाली बैंक नोट वितरित हुए थे।

† सभा में यह प्रश्न श्रीमती जया बच्चन द्वारा पूछा गया।

Fake notes through ATM

† * 322. SHRIMATI MAYA SINGH:
SHRIMATI JAYA BACHCHAN:tt

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the incidents of finding fake notes through ATM machines of various banks have been brought to the notice of Government;

(b) if so, the details thereof;

(c) the details of banks brought to the notice of Government where such incidents had taken place; and

(d) the action taken by Government against the guilty persons?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI PAWAN KUMAR BANSAL): (a) to (c) During the year 2005-06, the Reserve Bank of India (RBI) has received complaints of fake currency notes dispensed through ATMs of ICICI Bank, Karunagapally Branch and of HDFC Bank,Kolkata.

(d) RBI have issued instructions to banks *vide* their circular dated 7th December, 2005, to put in place adequate safeguards to contain the menace of counterfeit banknotes. The RBI has also taken up the matter with the Chairmen/CEOs of banks where the counterfeit banknotes were dispensed through ATMs.

श्रीमती जया बच्चन:सभापति जी,यह जो उत्तर है, यह अंग्रेजी में ठीक से प्रिंट नहीं हुआ है, हिंदी में ठीक से प्रिंट हुआ है।

डा. मुरली मनोहर जोशी: पहली बार ऐसा हुआ है कि हिन्दी में ठीक है और अंग्रेजी में गलत है।

श्री सभापति: इसको देख लेंगे।

श्रीमती जया बच्चन: मै यह पूछना चाहती हूँ कि अक्सर ऐसा होता है कि बैंकों से जो नोटों की गड्डियां दी जाती हैं,उनमें पुराने फटे हुए या गलत तरह के नोट बीच में घुसाए जाते हैं। बहुत से लोग जाकर ये गड्डियां बैंकों से लेते हैं और अक्सर ऐसा होता है कि बताया जाता है कि ये नोट सही नहीं हैं। यदि सरकार को इसके बारे में पता है,तो आपने इसके बारे में क्या ऐक्शन लिया है,यह हम आपसे जानना चाहते हैं।

† Original notice of the question was received in Hindi.
†† The question was actually asked on the floor of the House by Shrimati Jaya Bachchan.

श्री पवन कुमार बंसल: सभापति जी,जहां तक जाली नोटों का सवाल है,वह एक अलग प्रश्न है और जहां तक गड्डियों में खराब नोटों के होने का सवाल है,वह एक अलग प्रश्न है और इस प्रश्न से संबंधित नहीं है,फिर भी मैं माननीय सदस्य को यह बताना चाहता हूँ कि Reserve Bank of India 3 48 Currency Verification and Procession Systems, अपने अलग-अलग ऑफिसों में लगाए हैं और ये 50,000 से 60,000 pieces per hour verify कर सकते हैं। इनमें जो खराब नोट आते हैं,उन नोटों को निकाल दिया जाता है और यह प्रयास रहता है कि गंदे और खराब नोट उसमें न लगाए जाएं। अगर किसी के पास कोई खराब नोट है,तो उसके लिए प्रावधान है कि वह बैंक में जाकर उन नोटों को दे सकता है और बदले में अच्छे नोट ले सकता है।

श्रीमती जया बच्चन:अक्सर बैंकों में जब आप इस तरह के नोट ले जाते हैं,तो आपको लौटा दिया जाता है। वे कहते हैं कि नहीं,हम इस तरह से नोट accept नहीं करेंगे ...(**व्यवधान**)... इस वक्त मेरे पास कुछ ऐसे नोट मौजूद है,जो मैं अपने साथ लाई हूँ जिनको बैंक accept नहीं करते हैं।

श्री सभापति: आप वे नोट मुझे दे दीजिए,मै बदलवा दूंगा।

श्रीमती जया बच्चन:सभापति जी,वे नोट मैं Central Hall के लिए रखती हूँ ...(**व्यवधान**)... ये नोट मैं Central Hall में देती हूँ। सर,ये नोट देखिए...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति:दिखाने की जरुरत नहीं,आप जेब में रख लीजिए...(**व्यवधान**)... इनको बोलने दीजिए।

श्रीमती जया बच्चन: यह बहुत अच्छा है कि सरकार की तरफ से कुछ कार्यवाही की जा रही है,बैंक में जाकर लोग बताते हैं कि सरकार ऐसा कहती है,मगर I want to know : do you have any definite cases? When were these cases taken up? When were they sorted out? Is there a definite example that you can give here?

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL: Sir, I don't know whether the hon. Member wants to know about the cases of counterfeit currency notes or of the notes which are soiled ones. Since the basic question relates to the counterfeit currency notes, I would like to bring to the notice of this august House, through you, Sir, that there were two cases which have been brought to our notice, as I referred to in the main question. One was a complaint on 11th November, 2005. A customer reportedly received 20 counterfeit bank notes of the denomination of Rs.500 from the ICICI Bank, Karunagapally, and he has lodged a complaint against the Bank. That matter is now with the police. That is not a matter which the Finance Ministry can deal with. In the second case, one hundred rupee note has been found in Calcutta. That has been brought to our notice. Thereafter, the RBI bas taken a meeting with the banks and issued instructions to

them that they must put in place measures by which we can check the counterfeit notes. In that case, the RBI, the Ministry of Finance, the Home Ministry and the CBI also, which is the nodal agency for this purpose, are taking different steps in this direction.

डा. मुरली मनोहर जोशी: सभापति जी,यह बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है,क्योंकि जाली मुद्रा इस देश की अर्थव्यवस्था को भ्रष्ट करने के लिए बाहर से प्रयोग में लायी जा रही है। अगर बैंकों के माध्यम से भी यह होने लगे,तो आप समझ सकते हैं कि देश में मुद्रा की क्या स्थिति होगी। मैं यह जानना चाहूँगा कि क्या वित्त मंत्रालय को यह पता है कि हमारे देश में इस प्रकार की टेक्नोलॉजी विकसित हो रही है,जिससे जाली नोटों की पहचान हो सके और वह मशीन बहुत सस्ते दाम में बन सकती है। साथ-ही-साथ जो डिजाइन आप बनाएँ,उसकी कॉपी न हो सके,क्या इसकी तरफ कोई ध्यान दिया जा रहा है,क्योंकि बिना इसके यह बात नहीं बनती? साथ-ही-साथ आपने जो नोट्स देने के लिए नया तरीका अपनाया है,उसमें जिस ढंग से नोट्स दिए जाते हैं और अगर बीच में कोई जाली नोट लगा भी है और वह बैंक की तरफ से ही आ रहा है,तो हम पहचान नहीं सकते,क्योंकि वे ढीले है,अब लूज़ होते हैं,पहले वे क्लिप्ड होते थे,तो उनमें नोट इंसर्ट करना मुश्किल होता था। इस नई व्यवस्था में यह और सरल हो गया है। क्या इन सब बातों पर सरकार विचार करेगी और देखेगी कि जाली मुद्रा बैंकों में ही नहीं ,हमारे आसपास,हमारी बाउंड्रीज से,हमारे बॉर्डर से इधर न आए? वह बड़ा महत्वपूर्ण सवाल है।

श्री सभापति: आपको नोटों के विषय में बहुत ज्ञान है।

डा.मुरली मनोहर जोशी: इसलिए कि हम गरीब आदमी हैं। अगर जाली नोट आ जाए,तो मुश्किल होगी।

श्री पवन कुमार बंसल:सर,यह प्रायः देखने में आया है और ऐसी शिकायतें मिलती रही हैं कि पैसा बाहर से आया है। हमारे साथ जो तीनों बार्डर लगते हैं,वहां से अलग-अलग तरह के पैसे का पता लगा है। उसके बाद इस बात को रोकने के लिए,क्योंकि इनकी पहचान हो पाए,यह फैसला हो गया है कि इस साल के जून के अन्त तक सभी जगह नोट सॉर्टिंग मशीनें लग जाएंगी। इसके लिए टेंडर्स वगैरह हो चुके हैं। इसके बारे में थोड़ा कोर्ट में मसला है। लेकिन 1200 सॉर्टिंग मशीनें चल रही हैं और 2200 सॉर्टिंग मशीनें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने लगाने का निर्णय किया हुआ है। मुझे पूरा विश्वास है कि इसके बाद इस समस्या पर काबू पा लिया जाएगा।

श्री शाहिद सिद्दिकी: सर,अभी एक रिपोर्ट आई है कि बंगलादेश से फेक नोट्स हिन्दुस्तान में बडी तादाद में आ रहे हैं। ऐसा लगता है कि कुछ इंटरनेशनल फोर्सेज काम कर रही हैं,जो हिन्दुस्तान की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुँचाने के लिए इस तरह के नोट्स तैयार करा रही है। इसके ऊपर एक बड़े ऑपरेशन की जरुरत है। जैसा कि हमने तेलगी के मामले में देखा था कि जो कुछ सिक्योरिटी प्रेसेज हैं,उनमें अन्दर से मिल कर यह काम होता है। क्या मिनिस्ट्री ने इसे सिरियसली

लिया है और इसको देखा है कि क्या प्रेसेज के अन्दर कोई इस तरह की चीज आई हैं, तेलगी वाले मामले के बाद,इसे गहराई से इंवेस्टिगेट किया गया है या नहीं और आगे क्या करने वाले हैं?

†**شری شاہد صدیقی:** سر، ابھی ایک رپورٹ آئی ہے کہ بنگلہ دیش سے فیک نوٹس ہندستان میں بڑی تعداد میں آرہے ہیں۔ ایسا لگتا ہے کہ کچھ انٹر نیشنل فورسیز کام کر رہی ہیں، جو ہندستان کی ارتھ ویوستھا کو نقصان پہنچانے کے لئے اس طرح کے نوٹس تیار کرارہی ہیں۔ اس کے اوپر ایک بڑے آپریشن کی ضرورت ہے۔ جیسا کہ ہم نے تیلگی کے معاملے میں دیکھا تھا کہ جو کچھ سکیورٹی پریسز ہیں، ان میں اندر سے مل کر یہ کام ہوتا ہے۔ کیا منسٹری نے اسے سیریسلی لیا ہے اور اس کو دیکھا ہے کہ کیا پریسیز کے اندر کوئی اس طرح کی چیز آئی ہے، تیلگی والے معاملے کے بعد، اسے گہرائی سے انویسٹی گیٹ کیا گیا ہے یا نہیں اور آگے کیا کرنے والے ہیں؟

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): Sir, I don't think that we should exaggerate the problem and create a scare among the people. In 2002-03 for every million pieces in circulation, the number of ten rupee notes is 0.02, which is less than one; the number of twenty rupee notes is 0.02; the number of fifty rupee notes is 0.5, that is, for two million pieces there is one note. Hundred-rupee notes is the one where we foulnd about fifteen pieces in a million. In the case of Rs.500 note, it has now come down to 4.7 pieces per million. In the case of Rs. 1,000 note, it has come down to 1.8 pieces per million.

I am not, for a moment, saying that even one note is not bad. Therefore, we have taken a number of steps. As my colleague said, by June, every bank and every currency chest will have a sorting machine. Sir, a sorting machine costs us Rs. 18 lakhs to Rs.40 lakhs. We have now installed about 2,000 machines. By June, every currency chest will have a sorting machine. Therefore, a note which goes from the currency chest to the bank, i think, it is more or less foolproof; it will not be a fake note. But I concede that, we have a rather porous border, Indo-Nepal border and Indo-Bangladesh border. There are some counterfeit notes coming in. The CBI is the nodal agency under the Ministry of Home Affairs. They are taking

†Translation of Urdu Script.

steps. I .shall certainly convey the concern of the hon. Members to the CBI. They should be more vigilant about cross-border smuggling of currency notes.

श्री वी. हनुमंत राव: सर,मैं माननीय मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहता हूँ कि पांच सौ के नोट्स जो बैंक से सील होकर आते हैं,उसमें 4-5 नोट्स कम होते हैं। यह हर जगह होता है कि बैंक से सील होने के बाद उस गड्डी में 2-3 नोट्स हंड्रेड परसेंट कम रहते हैं। तो इस के लिए कौन जिम्मेदार है? सर,सील बताते हैं तो हम ले लेते हैं और पूरे दिए तो गिनने का सवाल नहीं होता,लेकिन उसके के ऊपर सील होने के बावजूद 4-5 नोट्स कम रहते हैं,कम-से-कम 2 नोट्स कम रहते हैं।

श्री सभापति: यह अपने अनुभव के आधार पर कह रहे हैं।

श्री पवन कुमार बंसल: सर,यह बात सही नहीं है,लेकिन अगर कोई शिकायत हमारे ध्यान में लायी जाएगी तो उस पर जरुर कार्यवाही की जाएगी।

SHRI RAMA MUNI REDDY SIRIGIREDDY: Recently, in the ATM of the State Bank of India at Cuddapah, fake currency notes were found. Acase was also registered in the Police Station. This happened continuously for two days. Even the bank officials have also confirmed that fake currency notes have been found. Has the Government taken any action against the officials of that area?

SHRI P. CHIDAMBARAM: If the hon. Member is saying that in the ATM of the State Bank of India at Cuddapah, there were fake currency notes, we have no information on that so far. But I will verify it. If fake currency notes have come through a teller or a counter, we will find out. But I have no information of any such incident in the State Bank of India, Cuddappa Branch.

डा. कुमकुम राय: सर,पड़ौसी देशों से जाली नोट्स हमारे यहां पहुंच जाते हैं। साथ ही,देश के अंदर भी जाली नोटों को छापने वाली मशीनें कई जगह पकडी जाती है। कई जगह देश में भी लोग जाली नोट्स बनाया करते हैं। इस के साथ ही मैं दूसरी बात यह कहना चाहती हूँ कि सिक्कों को गलाकर भी दूसरी चीजें बनायी जाती हैं,तो इसे रोकने के लिए सरकार क्या उपाय कर रही है?

श्री सभापति:आप को कभी शिकायत मिली है?

डा. कुमकुम राय: सर,अखबारों में अक्सर पढ़ने को मिलता है कि जाली नोट्स छापने वाली मशीन पायी गयी या सिक्कों को गलाने की बात पढ़ने को मिलती है।

श्री सभापति:आप को कोई शिकायत तो नहीं मिली?

डा. कुमकुम राय: यह अखबारों मे अक्सर देखने को मिलता है।

श्री सभापति: श्री मोती लाल वोरा।

श्री मोती लाल वोरा: माननीय सभापति महोदय,देश में जाली नोट्स का चलन बडे पैमाने पर हो रहा है। क्या इसे रोकने के लिए नासिक प्रिटिंग प्रेस में जो पेपर यूज होता है,उस की जगह बाहर से दूसरा पेपर मंगाकर नोट छापने के बारे में मंत्रालय में कोई विचार हो रहा है? अगर नहीं हो रहा है तो क्या माननीय मंत्री जी की जानकारी में है कि जिस पेपर पर नासिक की प्रिंटिंग प्रेस में नोट्स छपते हैं,दूसरे पेपर को विदेशों से और कहीं से मंगाया जाए? क्या ऐसी कोई जानकारी मंत्री महोदय के पास है।

श्री पवन कुमार बंसल:सर,इस के विपरीत बिल्कुल जो हो रहा है,कोशिश यह हो रही है कि देश में ही इस का प्रोडक्शन हो ताकि उस के ऊपर पूरा नियंत्रण रह सके। और किसी तरह के कोई उसके बाद जाली नोट न बन पाएं। इसके लिए मैं बताना चाहता हूँ कि कई कदम उठाए गए हैं,जिनसे यह बात आगे के लिए सुनिश्चित की जाएगी कि कभी जाली नोट मार्केट में न आएं। उसमें जो उसके सिक्योरिटी फोचर्स होते हैं,धागा होता है,उसमे सिक्योरिटी वाला,उसको बार-बार बदला जा रहा है।...(**व्यवधान**)...

श्री मोती लाल वोरा: मैंने पूछा है कि क्या आप दूसरे पेपर का उपयोग करने वाले हैं?Are you going to use some special paper ? ….(*Interruptions*)

श्री पवन कुमार बंसल: सर,सब तरह के उसमें प्रयास हमेशा हो रहा है और ...(**व्यवधान**)...

SHRI MOTILAL VORA: Sir, it is about the fake currency. A simple question is there.

श्री पवन कुमार बंसल: यह सवाल सही मायने में कागज का सवाल नहीं है। करंसी नोट की अगर काउंटरफीटिंग है,तो वह इस कारण नहीं कि वही नोट दूसरी तरह हो जाता है। इसी कारण यह प्रयास है कि इनडिजीनाइजेशन उसकी ज्यादा हो।

SHRIMATI S.G INDIRA: Mr. Chairman, Sir, the ATM facilities are generally available only in towns and cities. I would like to know from the hon. Minister whether the public sector banks have demanded permission to expand their banking operations by opening more branches in rural areas. If they open new branches in rural areas, only then the rural people can have the ATM facility. Will the Ministry come forward to help them in the expansion of banking operations in rural areas?

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL: Sir, it is not related to the main question.

MR. CHAIRMAN: Shri Ravi Shankar Prasad. ...*(Interruptions)*

SHRIMATI S.G. INDIRA: Sir, the Minister is not ready to answer this question. Whether they are having any idea to expand the ATM facility in rural areas; this is a general question, Sir. The Minister can answer it.

MR. CHAIRMAN: It is not related to the main question ...*(Interruptions)*...

SHRIMATI S.G. INDIRA: If the Minister is not ready, this shows that they don't want to extend this facility in the rural areas.

SHRI P. CHIDAMBARAM: Sir, I don't mind answering this question. Sir, although the supplementary does not arise out of the main question, the effort is to ask banks to open more branches and to open more ATMs. More ATMs are being opened by every bank, and as the ATM network expands, you will find more and more ATMs in rural areas.

SHRIMATI S.G. INDIRA: Regarding the rural areas I am asking, Sir.

SHRI P. CHIDAMBARAM: I have said this about the rural areas only.

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD: Sir, the hon. Finance Minister has just laid down certain statistics about the number of notes which are fake, two in one million, one-and-a-half in three millions, or something like that. I am sorry, Mr. Finance Minister. I would like to know the basis of that study and the statistics for the reason that the concern which is being expressed in the House-- and what, you know, the ground reality is- does not properly correlate with the statistical evidence you have. Therefore, I would like to know the basis of that study, whether it is empirical or whether it is done by some objective mechanism.

SHRI P. CHIDAMBARAM: Sir, it is based on notes detected by sorting machines, notes brought to our notice by various complainants, cases investigated by CBI. Based on this evidence, an assessment has been made, and this is how an assessment is made in every country.

I can't possibly say I look at every one of the million pieces of notes and find out whether they are genuine or not. This is based on empirical data, and this is the basis on which an estimate is made in every country. Therefore, I think, there is a problem, but the problem should not be exaggerated. In some other countries, of which we have got information, the number of counterfeit notes is much higher. In India, I think, the problem is there, but the problem is contained. And it is a containable problem. With sorting machines, we will be able to contain it even further.

And now, apart from the additional security features, we have now placed orders for new cylindrically mould watermarked notepaper which is a special paper, which will be used for printing new currency.

Rate of interest on loans by NABARD

*323. SHRI N.K. PREMACHANDRAN:
SHRI KRIPAL PARMAR:†

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) the interest rate allowed by the NABARD for the agricultural loans;

(b) whether Government are aware that the interest rate exceeds when the agriculture loans of NABARD are routed through the co-operative and other commercial banks for the agriculture; and

(c) whether Government consider to extend the agricultural loans to farmers at the interest rate prescribed by the NABARD and the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI P.CHIDAMBARAM): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House

Statement

(a) NABARD provides refinance on Short Term Seasonal Agricultural Operations (ST-SAO) at rates varying between 5.5% to 6% and on investment credit under farm/non-farm sector at rates varying from 6.50% to 7% per annum. NABARD does not provide agriculture loan directly to the ultimate borrower, nor does it prescribe any rate of interest for onward lending by the borrowing banks.

(b) and (c) Banks are free to determine the lending rate of interest taking into account the cost of funds and the risk element involved. However, RBI has stipulated that interest rate on loans by Commercial Banks upto Rs.2.00 lakhs should not exceeds the Benchmark Prime Lending Rate (BPLR). Further, Indian Banks' Association has advised public sector commercial banks to charge interest rate of not more than 9% p.a. on crop loans upto Rs.50,000/-. As regards Cooperative Banks, the rates of interest for the ultimate borrower generally works out higher because of their high cost of funds, multi-tier structure of Credit Cooperatives, high level of overdues and high transaction costs. With a view to ensure agricultural loans at lower rate of interest, Government has decided to

† The question was actually asked on the floor of the House by Shri Kripal Parmar.